an>

Title: h Need to frame uniform fee structure for Engineering college of AICTE.

श्री चामाकुरा मल्ला रेड्डी (मलकाजगिरी) : उपाध्यक्ष महोदय, अपना इंडिया यंग पिपुल का है। भारत की सवा करोड़ आबादी में से 50 करोड़ लोग 25 साल की उम्र के नीचे के हैं। पिछले पांच सालों से ए.आई.सी.टी.ई. ने हमारे देश के इंजीनियरिंग कॉलेज की व्यवस्था को पूरा खराब कर दिया। ऑनलाइन एप्लीकेशन बोल कर, ज़ीरो डिफिशियन्सी कह कर एक-एक कॉलेज को हर साल 120 इनटेक दे दिया। इससे एक-एक कॉलेज का 800-1000 इनटेक हो गया। उससे पांच साल पहले 360-420 सीटिंग था। अभी पूरे भारत में एक-एक कॉलेज का इनटेक 1000-1200 हो गया। इस पर कोई कंट्रोल नहीं है। हमारे तेलंगाना में 315 कॉलेजेज हैं, 1,85,000 इनटेक है, लेकिन उसमें वर्ष 2014 में एक लाख सीट बढ़ गया। वहां 175 कॉलेजेज बंद हो गए। उनके इंफ्रास्ट्रक्चर, फैकल्टीज, पूरे 30,000 लोग रोड पर आ गए। ए.आई.सी.टी.ई. पूरे इंडिया के लिए गाइडलाइन्स फ्रेम करता है, लेकिन फी स्ट्रक्चर को वह फ्रेम नहीं करता। अलग-अलग स्टेट में अलग-अलग फी है। हमारे स्टेट में 35,000 रुपये है, एक स्टेट में 50,000 रुपये है और दूसरे स्टेट में 80,000 रुपये है। लेकिन, इंजीनियरिंग की पूरी पढ़ाई समान है। अब 35,000 रुपये और 50,000 रुपये में वे लोग कैसे पढ़ाई कर सकते हैं? इसकी फी की फ्रेमिंग भी बराबर होनी चाहिए।